## सत्रीय कार्य

अधिकतम अंक . 100

## एम.जे.एम. 001: प्रसारण और कार्यक्रम आयोजन

सभी प्रश्नों के अंक समान है।

प्र. 1 भारत में रेडियो प्रसारण के विकास की चर्चा करें।

प्र. 2 लाइसेंसिंग नीति के प्रमुख तत्वों को उजागर करते हुए एक सामुदायिक रेडियो केन्द्र को स्थापित करने की प्रक्रिया का वर्णन करें।

प्र. 3 "संवादात्मकता (इंटरैक्टिविटी) और सहभागिता रेडियो कार्यक्रमों को अधिक सूचनात्मक और रूचिकर बनाते हैं।" कार्यक्रम निर्माण की आधुनिक प्रवृत्तियों के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र. 4 आकाशवाणी के संगठनात्मक ढांचे के बारे में विस्तार से बताइये।

प्र. 5 एक रेडियो स्टेशन में प्रतिपुष्टि फीडबैक की क्या व्यवस्था होती है? श्रोताओं से जुड़ने में यह किस प्रकार सहायक है?

## सत्रीय कार्य

अधिकतम अंक . 100

### एम.जे.एम. 002: निर्माण और प्रस्तुति

सभी प्रश्नों के अंक समान है।

प्र. 1 लोक सेवा प्रसारण और व्यावसायिक रेडियो की प्रस्ततिकरण शैली के बारे में टिप्पणी लिखें। रेडियो में प्रयुक्त विभिन्न प्रस्तुतिकरण तकनीकों पर प्रकाश डालिए।

प्र. 2 कार्यक्रम निर्माण के प्रमुख फॉर्मेट्स की चर्चा कीजिए।

प्र. 3 शिक्षा में रेडियो के महत्व का वर्णन कीजिए।

प्र. 4 एक शीतल पेय, जिसका नाम "शीतल" है, के बारे में एक रेडियो विज्ञापन का आलेख बनाइये। साथ ही दो जनहित सूचनाओं का आलेख लिखें।

प्र. 5 सूचना और मनोरंजन प्रदान में रेडियो रूपक के महत्व की चर्चा करें।

सत्रीय कार्य

अधिकतम अंक . 100

## एम.जे.एम. 003: ध्वन्यंकन संपादन और मिश्रण

प्र. 1 निम्नलिखित को संक्षेत में समझांए। (10x5=50)

| | | | |
|---|---|---|---|
| a) | फेड इन, फेड आउट, क्रॉस फेड | b) | लेपल माइक्रोफोन |
| c) | ऑडियो मिक्सर | d) | प्रसारण के तरीके |
| e) | प्रतिध्वनि (रिवरबिरेशन) | f) | क्यू–शीट |
| g) | ऑडियो संपादन वर्कस्टेशन | h) | स्टीरिओ ध्वनि |
| i) | टाइम कोड | j) | अकूस्टिक ट्रीटमैंट |

प्र. 2 रेडियो कार्यक्रम निर्माण में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न माइक्रोफोन्स को चित्रों की सहायता से समझाइये। (20)

प्र. 3 ध्वनि प्रसारण श्रृंखला के बारे में विस्तार से बताएं। (20)

प्र. 4 स्टूडियो के बाहर रिकार्डिंग करते समय उचित माइक के चुनाव और उसके रखने की विधि का वर्णन करें। (10)